

# सजा दो फुल राहो में मेरे गोपाल आएँगे भजन लिरिक्स



सजा दो फुल राहो में,  
मेरे गोपाल आएँगे,  
जन्मदिन आज है उनका,  
खुशी से हम मनाएँगे,  
सजा दो फुल राहो में,  
मेरे गोपाल आएँगे।

तर्ज - सजा दो घर को गुलशन सा।

बिछा के अपनी पलके,  
राह उनकी देखते है हम,  
के राहे देखते है हम,  
मची है धूम घर घर में,  
मची है धूम घर घर में,  
मेरे नन्दलाल आएँगे,  
सजा दो फुल राहो में,  
मेरे गोपाल आएँगे।

सजा है सोने का पलना,  
लगी है चांदी की डोरी,  
लगी है चांदी की डोरी,  
बैठ कर झूलने झुला,  
बैठ कर झूलने झुला,  
मेरे नन्दलाल आएँगे,  
सजा दो फुल राहो में,  
मेरे गोपाल आएँगे।

भरा माखन है मटकी में,  
रखी है चांदी की चम्मच,  
रखी है चांदी की चम्मच,  
लगाने भोग मिश्री का,  
लगाने भोग मिश्री का,  
मेरे घनश्याम आएँगे,  
सजा दो फुल राहो में,  
मेरे गोपाल आएँगे।



जो जन्मे जेल में वो ही,  
छुड़ाते जन्मों के बंधन,  
छुड़ाते जन्मों के बंधन,  
'रवि कैलाश' की सुनने,  
'रवि कैलाश' की सुनने,  
मेरे घनश्याम आएँगे,  
सजा दो फुल राहो में,  
मेरे गोपाल आएँगे।

सजा दो फुल राहो में,  
मेरे गोपाल आएँगे,  
जन्मदिन आज है उनका,  
खुशी से हम मनाएँगे,  
सजा दो फुल राहो में,  
मेरे गोपाल आएँगे।

**Singer – Ravi Raj**